IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709

THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

IGNOU

BANE-145

(हिन्दी माध्यम)

IMPORTANT QUESTION ANSWER

GUESS PAPER / EXAM NOTES

From Previous Year Papers

FOR MORE PDF 9485943709

Disclaimer for Guess / Sample Paper By MOTHER NOTES- 8529719732, 99922-90905: -

This PDF contains sample papers compiled from previous years' questions of the IGNOU It is intended to provide you with a general idea of the paper format and may cover some potential questions. However, it is important to note the following:

1. **No Guarantee of Exam Questions:** We do not guarantee that the questions presented in this sample paper will appear in your actual exams. The content is for practice purposes only.
2. **Book Study Recommended:** To achieve good marks in your IGNOU exams, it is highly recommended that you thoroughly study the prescribed course materials and textbooks. Relying solely on this sample paper may not be sufficient for exam success.
3. **Use as a Study Aid:** Use this sample paper as a supplementary study aid to test your knowledge and exam preparedness.
4. **Self-Responsibility:** Your performance in exams is your responsibility, and success depends on your dedication to studying the course material.

We wish you the best of luck with your IGNOU exams. Thank you for using this sample paper as part of your preparation. **By MOTHER NOTES- 8529719732, 99922-90905**

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 2 of 46 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

20 अंकों के प्रश्न - प्रत्येक 400-500 शब्द

क्यू । - व्यावहारिक मानवविज्ञान की अवधारणा का वर्णन करें। व्यावहारिक मानवविज्ञान में परिवर्तन के फोकस क्षेत्रों को स्पष्ट करें।

उत्तर- _ व्यावहारिक मानवविज्ञान वास्तविक दुनिया के मुद्दों को संबोधित करने और व्यावहारिक समस्याओं को हल करने के लिए मानवशास्त्रीय सिद्धांतों, विधियों और अंतर्दृष्टि के व्यावहारिक अनुप्रयोग को संदर्भित करता है। पारंपरिक मानवविज्ञान के विपरीत, जो अक्सर अकादमिक अनुसंधान और अपने स्वयं के लिए संस्कृतियों के अध्ययन पर ध्यान केंद्रित करता है, व्यावहारिक मानवविज्ञान विभिन्न व्यावहारिक सेटिंग्स में मानवशास्त्रीय ज्ञान और कौशल का उपयोग करके समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालना चाहता है। लक्ष्य सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन लाना और व्यक्तियों और समुदायों की भलाई में सुधार करना है।

व्यावहारिक मानवविज्ञान की अवधारणा इस मान्यता की प्रतिक्रिया के रूप में उभरी कि मानवशास्त्रीय अंतर्दृष्टि अकादमिक क्षेत्र से परे मूल्यवान हो सकती है। इसमें विशिष्ट चुनौतियों का समाधान करने और समझ बढ़ाने के लिए मानवविज्ञानियों और समुदायों, संगठनों या सरकारों के बीच सहयोग शामिल है। व्यावहारिक मानवविज्ञानी अनुसंधान, कार्यक्रम विकास, नीति विश्लेषण और वकालत सहित गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला में संलग्न हैं।

व्यावहारिक मानवविज्ञान में परिवर्तन के फोकस क्षेत्रों को कई प्रमुख क्षेत्रों में वर्गीकृत किया जा सकता है:

1. **विकास नृविज्ञान:**
    - विकास में काम करने वाले व्यावहारिक मानवविज्ञानी आर्थिक विकास, गरीबी और असमानता से संबंधित मुद्दों को समझने और संबोधित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। वे सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील और टिकाऊ विकास परियोजनाओं को डिजाइन और कार्यान्वित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय संगठनों, गैर सरकारी संगठनों या सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग कर सकते हैं।
2. **चिकित्सा मानवविज्ञान:**
    - अनुप्रयुक्त मानवविज्ञान की यह शाखा संस्कृति, स्वास्थ्य और स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों के अंतर्संबंध का पता लगाती है। व्यावहारिक चिकित्सा मानवविज्ञानी सांस्कृतिक मान्यताओं, प्रथाओं और स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारकों की जांच करके

FOR MORE PDF 9485943709

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 3 of 46 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

स्वास्थ्य परिणामों में सुधार करने के लिए काम करते हैं। वे सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेपों को डिजाइन करने, स्वास्थ्य देखभाल संबंधी असमानताओं को दूर करने और सांस्कृतिक रूप से सक्षम स्वास्थ्य देखभाल वितरण को बढ़ावा देने में शामिल हो सकते हैं।

3. **पर्यावरण नृविज्ञान:**

   - इस क्षेत्र में व्यावहारिक मानवविज्ञानी मानव समाज और उनके पर्यावरण के बीच संबंधों का अध्ययन करते हैं। वे संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन जैसे मुद्दों पर काम करते हैं। उनका लक्ष्य ऐसी रणनीतियाँ विकसित करना है जो स्थानीय सांस्कृतिक प्रथाओं और ज्ञान का सम्मान करते हुए पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा दें।

4. **बिजनेस एंथ्रोपोलॉजी:**

   - कॉर्पोरेट जगत में, उपभोक्ता व्यवहार, संगठनात्मक संस्कृति और संचार पैटर्न का अध्ययन करने के लिए व्यावहारिक मानवविज्ञानी को काम पर रखा जा सकता है। उनकी अंतर्दृष्टि अधिक प्रभावी और सांस्कृतिक रूप से प्रतिध्वनित परिणाम बनाने के लिए विपणन रणनीतियों, उत्पाद डिजाइन और कार्यस्थल नीतियों को सूचित कर सकती है।

5. **आपराधिक न्याय नृविज्ञान:**

   - आपराधिक न्याय में काम करने वाले व्यावहारिक मानवविज्ञानी कानून प्रवर्तन, कानूनी प्रणालियों और सुधार से संबंधित मुद्दों की जांच करते हैं। वे सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील पुलिसिंग प्रथाओं, आपराधिक न्याय नीतियों और पुनर्वास कार्यक्रमों के विकास में योगदान दे सकते हैं।

6. **शैक्षिक मानवविज्ञान:**

   - शिक्षा में व्यावहारिक मानवविज्ञानी शैक्षणिक संस्थानों के भीतर सांस्कृतिक गतिशीलता को समझने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। वे विविध छात्र आबादी की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए शैक्षिक नीतियों, पाठ्यक्रम डिजाइन और शिक्षण विधियों में सुधार करने के लिए काम करते हैं।

7. **शहरी मानवविज्ञान:**

   - शहरी परिवेश का अध्ययन करने वाले व्यावहारिक मानवविज्ञानी प्रवासन, जेंट्रीफिकेशन और सामुदायिक विकास से संबंधित मुद्दों पर काम कर सकते हैं। वे अधिक समावेशी और टिकाऊ शहरी स्थान बनाने के लिए शहर योजनाकारों, नीति निर्माताओं और समुदाय के सदस्यों के साथ सहयोग करते हैं।

इन सभी फोकस क्षेत्रों में, व्यावहारिक मानवविज्ञानी सहयोग, सांस्कृतिक संवेदनशीलता और एक भागीदारी दृष्टिकोण पर जोर देते हैं जिसमें जांच के तहत मुद्दों से प्रभावित समुदाय शामिल होते हैं। व्यावहारिक सेटिंग्स में मानवशास्त्रीय अंतर्दृष्टि को लागू करके, ये पेशेवर सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन और व्यक्तियों और समाजों की भलाई में योगदान करते हैं।

क्यू । - व्यावहारिक मानवविज्ञान में अध्ययन के दृष्टिकोण क्या हैं? उप-विषयक व्यावहारिक विशेषज्ञताओं पर चर्चा करें।

FOR MORE PDF-9485943709

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 4 of 46 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

उत्तर- _ व्यावहारिक मानवविज्ञान में विभिन्न संदर्भों में व्यावहारिक मुद्दों को संबोधित करने के लिए मानवशास्त्रीय सिद्धांतों, विधियों और अंतर्दृष्टि का अनुप्रयोग शामिल है। यह क्षेत्र पारंपरिक शैक्षणिक अनुसंधान से परे है और वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने में योगदान देना चाहता है। व्यावहारिक मानवविज्ञान के भीतर कई दृष्टिकोण और उप-विषयक विशेषज्ञताएं हैं, जिनमें से प्रत्येक अनुप्रयोग के विशिष्ट क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करती है।

1. **विकास मानवविज्ञान:** विकास मानवविज्ञान आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास से संबंधित मुद्दों को समझने और संबोधित करने पर केंद्रित है। इस क्षेत्र में मानवविज्ञानी सतत विकास को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रमों को डिजाइन और कार्यान्वित करने के लिए विकास एजेंसियों, गैर सरकारी संगठनों और सरकारों के साथ मिलकर काम करते हैं। वे सांस्कृतिक संदर्भ और सामाजिक गतिशीलता पर विचार करते हुए स्थानीय समुदायों पर विकास परियोजनाओं के प्रभाव का अध्ययन करते हैं।

2. **मेडिकल एंथ्रोपोलॉजी:** मेडिकल एंथ्रोपोलॉजी संस्कृति, स्वास्थ्य और बीमारी के अंतर्संबंध का पता लगाती है। एप्लाइड मेडिकल मानवविज्ञानी स्वास्थ्य व्यवहार, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच और चिकित्सा हस्तक्षेप की प्रभावशीलता को प्रभावित करने वाले सांस्कृतिक कारकों को समझने के लिए स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स में काम करते हैं। वे सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील स्वास्थ्य देखभाल नीतियों और प्रथाओं के विकास में योगदान देते हैं।

3. **शैक्षिक मानवविज्ञान:** शैक्षिक मानवविज्ञानी शिक्षा प्रणालियों के सांस्कृतिक पहलुओं का अध्ययन करते हैं। वे शिक्षण विधियों, पाठ्यक्रम डिजाइन और समग्र शिक्षण वातावरण को बेहतर बनाने के लिए शैक्षणिक संस्थानों के साथ काम करते हैं। इसमें सांस्कृतिक विविधता, भाषा बाधाओं और स्थानीय संदर्भों में शैक्षिक प्रथाओं के अनुकूलन के मुद्दों को संबोधित करना शामिल हो सकता है।

4. **पर्यावरण मानवविज्ञान:** पर्यावरण मानवविज्ञानी मनुष्यों और उनके पर्यावरण के बीच संबंधों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। व्यावहारिक सेटिंग में, वे टिकाऊ संसाधन प्रबंधन, संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों जैसे मुद्दों को संबोधित करने के लिए पर्यावरण संगठनों और नीति निर्माताओं के साथ सहयोग करते हैं। इसमें पर्यावरण से संबंधित स्थानीय ज्ञान और प्रथाओं को समझना शामिल है।

5. **बिजनेस एंथ्रोपोलॉजी:** बिजनेस एंथ्रोपोलॉजी संगठनात्मक संस्कृति, उपभोक्ता व्यवहार और कार्यस्थल की गतिशीलता को समझने के लिए मानवशास्त्रीय तरीकों को लागू करती है। व्यावसायिक सेटिंग में मानवविज्ञानी उत्पाद विकास, विपणन रणनीतियों और संगठनात्मक परिवर्तन में योगदान देते हैं। वे कंपनियों को वैश्विक कारोबारी माहौल में अंतर-सांस्कृतिक मुद्दों से निपटने में भी मदद कर सकते हैं।

6. **शहरी मानवविज्ञान:** शहरी मानवविज्ञानी शहरी जीवन की गतिशीलता का अध्ययन करते हैं, जिसमें शहरों में प्रवासन, असमानता और सामाजिक संगठन के मुद्दे शामिल हैं। व्यावहारिक संदर्भों में, वे शहरी क्षेत्रों में आवास, बुनियादी ढांचे और सामाजिक सेवाओं से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने के लिए शहरी योजनाकारों, नीति निर्माताओं और सामुदायिक संगठनों के साथ सहयोग करते हैं।

7. **कानूनी मानवविज्ञान:** कानूनी मानवविज्ञान संस्कृति और कानूनी प्रणाली के अंतर्संबंध की जांच करता है। व्यावहारिक कानूनी मानवविज्ञानी यह सुनिश्चित करने के लिए कानूनी पेशेवरों, नीति निर्माताओं और समुदायों के साथ काम कर सकते हैं कि कानूनी प्रक्रियाएं सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील और निष्पक्ष हैं। वे मानवाधिकार, आप्रवासन और स्वदेशी अधिकारों जैसे मुद्दों में भी शामिल हो सकते हैं।

8. **संकट और मानवतावादी मानवविज्ञान:** संकट और मानवीय सेटिंग में काम करने वाले मानवविज्ञानी समुदायों पर आपदाओं, संघर्षों और आपात स्थितियों के प्रभाव को समझने और संबोधित करने के लिए अपने कौशल का उपयोग करते हैं। वे सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त और स्थानीय रीति-रिवाजों और परंपराओं का सम्मान करने वाले हस्तक्षेपों को डिजाइन करने के लिए राहत संगठनों के साथ सहयोग करते हैं।

FOR MORE PDF-9485943709
All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 5 of 46 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

संक्षेप में, व्यावहारिक मानवविज्ञान में दृष्टिकोण और उप-विषयक विशेषज्ञता की एक श्रृंखला शामिल है जो विभिन्न सेटिंग्स में व्यावहारिक चुनौतियों का समाधान करती है। ये मानवविज्ञानी मौजूदा मुद्दों के सांस्कृतिक संदर्भ पर विचार करते हुए सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए समुदायों, संगठनों और नीति निर्माताओं के साथ मिलकर काम करते हैं। वैश्विक चुनौतियों के लगातार बदलते परिदृश्य के अनुसार मानवशास्त्रीय अंतर्दृष्टि को अपनाते हुए, क्षेत्र का विकास जारी है।

ALL SOLVED ASSIGNMENT, GUESS PAPER, PROJECT - HAND WRITTEN SCAN PDF, HARDCOPY BY POST ORDER- ON WHATSAPP MSG- 8529719732, 99922-90905 OR VISIT- motherpublication.in / mothernotes.in

क्यू । - व्यावहारिक मानवविज्ञान में नैतिकता के संदर्भ में प्रोजेक्ट कैमलॉट और मानव भू-भाग प्रणाली पर चर्चा करें।

उत्तर-

प्रोजेक्ट कैमलॉट और ह्यूमन टेरेन सिस्टम (एचटीएस) दो उल्लेखनीय उदाहरण हैं जहां व्यावहारिक मानवविज्ञान में नैतिक विचारों पर सवाल उठाया गया है। दोनों परियोजनाओं में सैन्य और खुफिया अभियानों में मानवशास्त्रीय ज्ञान का एकीकरण शामिल है, जो मानवशास्त्रीय अभ्यास की नैतिक सीमाओं के बारे में चिंताएं बढ़ाता है।

1960 के दशक की शुरुआत में अमेरिकी सेना द्वारा शुरू किए गए प्रोजेक्ट कैमलॉट का उद्देश्य लैटिन अमेरिका, दक्षिण पूर्व एशिया और अफ्रीका में सामाजिक अशांति के कारणों और परिणामों का अध्ययन करना था। स्थानीय आबादी, सांस्कृतिक गतिशीलता और राजनीतिक अस्थिरता के संभावित स्रोतों पर जानकारी इकट्ठा करने के लिए मानवविज्ञानियों की भर्ती की गई थी। हालाँकि, इस परियोजना को मानवशास्त्रीय समुदाय से गंभीर प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा, क्योंकि यह स्पष्ट हो गया कि अनुसंधान न केवल गुप्त था, बल्कि इसमें सैन्य हस्तक्षेप और स्थानीय समुदायों के हेरफेर के लिए भी इस्तेमाल किए जाने की संभावना थी।

प्रोजेक्ट कैमलॉट के साथ नैतिक चिंताएँ सूचित सहमति के उल्लंघन के इर्द-गिर्द घूमती थीं, क्योंकि स्थानीय आबादी अक्सर अनुसंधान की वास्तविक प्रकृति और इरादों से अनजान थी। मानवविज्ञानी, जो परंपरागत रूप से पारदर्शिता, विश्वास और अनुसंधान विषयों की स्वायत्तता के लिए सम्मान जैसे सिद्धांतों के लिए प्रतिबद्ध हैं, ने खुद को एक नैतिक दुविधा में फंसा हुआ पाया। सैन्य उद्देश्यों के साथ परियोजना के जुड़ाव ने मानवशास्त्रीय अनुशासन की विश्वसनीयता और अखंडता से समझौता किया, जिससे मानवविज्ञानी और सरकार द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान के बीच संबंधों का पुनर्मूल्यांकन हुआ।

इसी तरह, इराक और अफगानिस्तान में संघर्ष के दौरान 2000 के दशक के मध्य में लागू किए गए ह्यूमन टेरेन सिस्टम (एचटीएस) ने सैन्य इकाइयों के भीतर मानवविज्ञानी और सामाजिक वैज्ञानिकों को शामिल करने की मांग की। लक्ष्य उग्रवाद विरोधी प्रयासों में सहायता के लिए सांस्कृतिक समझ और सामाजिक-सांस्कृतिक विशेषज्ञता प्रदान करना था। हालाँकि, एचटीएस को सैन्य उद्देश्यों के लिए मानवविज्ञान को साधन बनाने और अकादमिक अनुसंधान और सैन्य अभियानों के बीच की रेखाओं को धुंधला करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा।

एचटीएस की नैतिक चुनौतियों में मानवविज्ञान के "सैन्यीकरण" से संबंधित मुद्दे शामिल थे, क्योंकि मानवविज्ञानी सैन्य रणनीतियों और उद्देश्यों का समर्थन करने में शामिल थे। आलोचकों ने तर्क दिया कि इसने मानवविज्ञान के मूल सिद्धांतों से समझौता किया, जैसे निष्पक्षता बनाए रखना, अनुसंधान विषयों को नुकसान से बचाना और अध्ययन के तहत समुदायों की भलाई सुनिश्चित करना। एचटीएस के भीतर काम करने

FOR MORE PDF 9485943709

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU MOTHER PUBLICATION - ASSIGNMENTS & GUESS PAPERS & PYQ SOLVED PDF

INDIA'S NUMBER 1 STUDY MATERIAL PROVIDER

यह केवल एक सैंपल पीडीएफ है।

यह केवल Sample PDF है। पूरी Solved Assignment या Guess Paper PDF खरीदने के लिए हमारी वेबसाइट पर जाएँ

या

WhatsApp पर मैसेज करें।

WHATSAPP ONLY: +91 9485943709

WHATSAPP ONLY:: +91 9992290905

1. Solved Assignment Visit -:: https://motherpublication.in/

2. Pyq Solved Guess paper Visit:-: https://mothernotes.in/

Mother Publication • IGNOU Study Resources